दैनिक भास्कर
08-Jan-2020
Page 3

कार्यक्रम • साहित्य मनीषी कन्हैयालाल सेठिया के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत तापड़िया महाविद्यालय परिसर में 'ग्रामलोक' कार्यक्रम का आयोजन

'राजस्थानी भाषा नै जितनौ मिलसी मान, आन-बान अर शान सूं निखर सी राजस्थान'

भास्कर संवाददाता | जसवंतगढ़

साहित्य अकादमी नई दिल्ली और मरुदेश संस्थान सुजानगढ़ के तत्वावधान में जसवंतगढ़ के सेठ सूरजमल तापड़िया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को 'ग्रामलोक' कार्यक्रम हुआ, जिसमें राजस्थानी साहित्य, कला व संस्कृति पर चर्चा की गई। मरुदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने बताया कि महाकवि कन्हैयालाल सेठिया जन्म शताब्दी पर शृंखलाबद्ध रूप से आयोजित होने वाले साहित्यिक कार्यक्रमों की कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ कन्हैयालाल सेठिया की सुप्रसिद्ध रचना 'धरती धोरां री' के साथ दीप प्रज्वलन से हुआ। ग्राम लोक कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार भंवर सिंह सामौर ने आयोजन के प्रारम्भ में साहित्य अकादमी के क्रियाकलापों की जानकारी देते हुए राजस्थानी साहित्य में कवि कन्हैयालाल सेठिया के अवदान के सम्बन्ध में बताया। ग्राम लोक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उद्योगपति बजरंगलाल तापड़िया ने कहा कि राजस्थानी भाषा व संस्कृति सबसे अलग है। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा को अब तक संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं करना इस भाषा के हितों के साथ कुठाराघात है। उन्होंने ग्राम लोक कार्यक्रम को साहित्य संवर्धन व भाषा संरक्षण का सराहनीय उपक्रम बताते हुए आयोजकों को साधुवाद दिया। ग्राम लोक की मुख्य अतिथि कटक (उड़ीसा) की प्रवासी वरिष्ठ कवयित्री पुष्पा सिंघी ने कहा कि हम प्रवासी सुदूर प्रदेशों में रहने के बाद भी अपनी मातृभूमि और मातृभाषा से दूर नहीं हुए है। उन्होंने कहा कि हम बाहर अंग्रेजी, हिन्दी व क्षेत्रीय भाषा में संवाद करते हैं मगर अपने परिवार में राजस्थानी में ही वार्तालाप करते हैं। पुष्पा सिंघी ने कहा कि मातृभाषा का अधिकाधिक उपयोग करना ही उसका संरक्षण है। इस अवसर पर उन्होंने कन्याभ्रूण हत्या के संदर्भ में अपनी कविता ''मां मुझको दे तू जीने का अधिकार'' सुनाकर सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक नंदलाल मिश्रा, हेमराज सोनी, वैद्य रमेश पारीक, मालचंद सिंघी आदि मंचस्थ थे।

साहित्य मनीषी कन्हैयालाल सेठिया जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत कार्यक्रम में मौजूद नागरिक।

इन्होंने किया राजस्थानी काव्य पाठ: ग्रामलोक कार्यक्रम में राजस्थानी रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। आयोजन से पहले स्वागताध्यक्ष व प्राचार्य डॉ. हेमन्त कृष्ण मिश्र ने सभी रचनाकारों का और ग्राम लोक कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत किया। आयोजन में सुजानगढ़ की कवयित्री व शिक्षिका स्नेहप्रभा मिश्रा ने ''राजस्थानी भाषा नै जितनौ मिलसी मान, आन-बान अर शान सूं निखर सी म्हारो राजस्थान'' प्रस्तुत कर राजस्थानी भाषा के सम्बन्ध में ध्यानाकर्षण किया। ''उनकी आत्मा इज मर्यां करै है'' और 'बेटी' कविता भी सराही गई। वरिष्ठ कवि हाजी शमशुदीन स्नेही ने ''चुनाव रै बगत अर चुनाव रै पछै'' राजस्थानी व्यंग्य रचना सुनाकर सभी को सोचने पर बाध्य कर दिया। ''रिश्वत शाश्वत और सर्वव्यापी'' कविता से उन्होंने व्यवस्थाओं पर प्रहार किया। साथ ही अपने मुक्तक व दोहे सुना कर सभी को प्रभावित किया। लाडनूं की वरिष्ठ कवयित्री प्रेमलता बेंगवानी ने ''जठै भी रेवू म्हनै याद आवै माटी म्हारै गांव री'' गीत सुनाकर खूब करतल ध्वनि से सराहना पाई। उनकी राजस्थानी कविता मिनख, रिश्ता और हिन्दी 'गजल' - 'यह मत कहो मुझे प्यार नहीं आता' को दाद मिली। वरिष्ठ कवि डॉ. गजादान चारण 'शक्तिसुत' के काव्यपाठ ने आयोजन में शमां बांध दिया। उन्होंने कन्हैयालाल सेठिया, महात्मा गांधी और वृद्धों के सम्मान में अपनी सार्थक रचनाओं का काव्यपाठ किया। उन्होंने आज री व्यवस्थाओं पर प्रहार करते हुए गांधीजी के प्रतीक रूप में रचना ''चाले ज्यूं जालण दे चरखो, मत करजै चूंकारो बापू'' और राजस्थान की माटी के शौर्य पर ''इण आजादी की इज्जत नै म्है राजस्थानियां राखी है'' सुनाकर आनंदित किया। ग्राम लोक कार्यक्रम में समाहार वक्तव्य देते हुए रतन सैन के राजस्थानी भाषा की काव्य परम्परा के सम्बन्ध में जानकारी दी। संचालन साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया।

रचनाकारों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में आगन्तुक अतिथियों व रचनाकारों का सम्मान ग्राम लोक प्रभारी किशोर सैन, मरुदेश संस्थान के सचिव कमलनयन तोषनीवाल, दिनेश स्वामी, शिक्षा शास्त्री महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मिश्र, मदनलाल गुर्जर 'सरल', राजश्री भूतोड़िया, विकास जयपुरिया, मनोज कुमार मारोठिया, राकेश कुमार नेहरा, विनोद सैन, सीताराम उपाध्याय, सुभाष चंद पांडे, अरूण कुमार शर्मा, कैलाश नेहरा, सरला शर्मा, मंजू शर्मा, रूकमणि शर्मा, जवपाल सिंह शेखावत, राजेन्द्र सिंह राठौड़, तेजपाल शर्मा, प्रकाश शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष संजीव शर्मा आदि ने किया। कार्यक्रम में अनिल चोटिया, लोक गायक मेघराज मारवाड़ी, लोकप्रिय हास्य कलाकार मधराज ओडिट को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान प्रदान किया गया। आयोजन में जसवंतगढ़ के नागरिक, विद्यार्थियों के अलावा निकटवर्ती गांवों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय को महाकवि कन्हैयालाल सेठिया का चित्र व साहित्य भेंट किया गया।

रचनाएं प्रस्तुत करते हुए अतिथि।

यूको बैंक UCO BANK (भारत सरकार का उपक्रम)
शाखा– मेड़ता, नागौर
ई-मेल: mertac@ucobank.co.in

अचल सम्पत्ति के लिये कब्जे का नोटिस

यतः वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति-हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने मांग नोटिस दिनांक 14.10.2019 को जारी करते हुए ऋणी मैसर्स गनीष बीज भण्डार प्रोपराईटर श्री राम निवास भंवरिया पुत्र श्री पुनाराम, मेड़ता रोड़ के लिए मुख्य सड़क, वार्ड नं. 5, ग्राम सोगावास, तहसील मेड़ता सिटी, जिला नागौर से रूपये 6,05,024.16 दिनांक 31.08.2019 तक एवं इसके पश्चात के ब्याज व खर्च अतिरिक्त का भुगतान, नोटिस की दिनांक से 60 दिनों के भीतर करने की मांग की थी।

ऋणी द्वारा सम्पूर्ण राशि के भुगतान करने में असफल होने पर, ऋणी/आमजन को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त एक्ट की धारा 13(4) व नियम 8(1) के अधीन, अधोहस्ताक्षरी ने आज दिनांक 03.01.2020 को निम्नलिखित सम्पत्ति को अपने कब्जे में ले लिया है एवं आमजन को सावधान किया जाता है, कि इस सम्पत्ति बाबत कोई व्यवहार नहीं करें और किये गये व्यवहार पर यूको बैंक के रूपये 6,19,619/– दिनांक 31.12.2019 तक एवं इसके पश्चात् के ब्याज व खर्च